

हरिभूमि महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि

रोहतक, रविवार, 27 अप्रैल 2025

12 देर से आया नहरी पानी, छा सकता है पेयजल संकट...



12 देवयानी के विद्यार्थियों ने पाई बेहतरीन रैंक



SHRI KRISHNA *The Ultimate School for the New Generation*
GROUP OF INSTITUTIONS
Kurhawata Road, Near Rao Tularam Chowk, M/Garh
MAHENDERGARH • SIHMA
Aff. to CBSE, New Delhi

27th
YEAR
ESTABLISHED
1998

नई सोच ★ उच्च शिक्षा ★ बेहतर संस्कार

Admission Open

2025-26
Class Nur. to XII

Choosing The Right School
Is Same Like Giving
The Best Future
To Your Child

Ultimate
AC Hostel
for Boys Only

Ask us for More
9017 1111 00

Explore our website
www.shrikrishnagroup.org KrishnaSchoolMG

IIT-JEE Mains Qualifiers 2025

 99.87 %ile ARUN S/o Sh. Surender & Smt. Suman	 99.68 %ile VISHESH S/o Sh. Kuldeep Singh & Smt. Sarita	 98.52 %ile SANIA D/o Sh. Narender & Smt. Laxmi Devi	 98.22 %ile MAHAK D/o Sh. Birbal & Smt. Munesh	 97.23 %ile SAHIL S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi	 96.60 %ile NIKHIL S/o Sh. Sunil Kumar & Smt. Manju Kumari	 96.55 %ile LALIT S/o Sh. Harish Kumar & Smt. Banita	 95.69 %ile KHUSHANT S/o Sh. Sajjan Singh & Smt. Gayatri Devi	 93.13 %ile AMAN S/o Sh. Inderjeet & Smt. Kavita Devi
 92.83 %ile RAHUL S/o Sh. Pawan Kumar & Smt. Neelam	 92.64 %ile DHEERAJ S/o Sh. Manjeet & Smt. Sunita	 89.85 %ile SHAKSHI D/o Sh. Ravikant & Smt. Sarmila	 89.72 %ile NIKHIL S/o Sh. Dinesh Kumar & Smt. Kamlesh	 87.10 %ile NIKHIL S/o Sh. Ramotar	 85.00 %ile JATIN S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi	 83.94 %ile NILESH S/o Sh. Parveen Kumar & Smt. Shashi Devi	 82.09 %ile HIMANSHU S/o Sh. Hargyan & Smt. Neelam	 80.00 %ile SUNAINA D/o Sh. Vijender Kumar & Smt. Priyanka

NEET-2024

 700 720 AJAY KUMAR S/O RAJESH YADAV	 700 720 TANUJ S/O JITENDER YADAV	 686 MARKS MANISHA D/O SURESH	 648 MARKS DAKSH S/O AJAY KUMAR	 655 MARKS JAI YADAV D/O VIJAY SINGH	 644 MARKS KHUSHI D/O MAHENDER SINGH	 637 MARKS RAJAT SHARMA S/O RAJESH SHARMA	 624 MARKS ANISHA D/O ISHWAR SINGH	 623 MARKS ASHU PAL D/O AJAY PAL	 620 MARKS ARPIT D/O PARSHANT	 608 MARKS MUSKAN D/O MAHENDER SINGH	 606 MARKS VISAKHA D/O SURENDER YADAV	 557 MARKS SHIKSHA D/O RANDEEVS SINGH
---	--	--	--	---	---	--	---	---	--	---	--	--

CA FOUNDATION

Qualifiers

 Palak	 Sneha	 Preeti Sihma
------------------	------------------	-------------------------

We believe
in results.....
Heartiest
Congratulations!

JNV Selection
2024-25
for Class 9th

CBSE Class X Result 2024					CBSE Class XII Result 2024			
Above 80%	97 STUDENTS	Above 85%	68 STUDENTS		Above 80%	110 STUDENTS	Above 85%	62 STUDENTS
Above 90%	33 STUDENTS	Above 95%	02 STUDENTS		Above 90%	31 STUDENTS	Above 95%	05 STUDENTS
60+ NEET	71+ IIT	08 NDA	05 NTSE	03 CA Foundation	60 SAINIK SCHOOL	06 MILITARY SCHOOL	188 OLYMPIAD	08 Jawahar Nandaya Vidyalaya

 Saksham S/o Mr. Ishwar	 Dhara D/o Mr. Sherpal	 AARTI D/o Mr. Sudhir Deroli Ahir	 NAVYA D/o Mr. Karamveer Dublana
--------------------------------------	-------------------------------------	---	--

सोने में तेजी से गोल्ड ईटीएफ का चला जादू, चौंका रहा रिटर्न

● रिटर्न देने में एसआईपी को भी पीछे छोड़ा ● सोने के ईटीएफ ने निपटी ईटीएफ को भी पछाड़ा ● एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में 54.35% का रिटर्न मिला ● गोल्ड ईटीएफ में मार्च में मुनाफा वसूली देखी गई

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

सोने में आई तेजी ने कई फंड में भी तेजी ला दी है। पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निपटी ईटीएफ को काफी पीछे छोड़ दिया है। जानकारों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने में और तेजी बनी रह सकती है। वहीं, कुछ जानकारों के मुताबिक इसकी कीमत में कुछ गिरावट की भी उम्मीद है। अगर आप एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं तो अच्छे रिटर्न के लिए आपको अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ सकता है। सोने में तेजी से इससे जुड़े फंड ने अच्छा रिटर्न दिया है। सोने की कीमतें इस समय एक लाख के आसपास चल रही हैं। मंगलवार को तो 1800 रुपये का उछाल आया और 10 ग्राम सोना 1 लाख रुपये के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया। एक विश्लेषण के मुताबिक, पिछले एक साल में एसआईपी रिटर्न के मामले में गोल्ड ईटीएफ ने निवेशकों को चमका दिया है। यानी निवेशकों को भरपूर रिटर्न मिल रहा है। ऐसे में निवेशक अब सोने की तरफ अग्रसरित हो रहे हैं।



यह मिलता रिटर्न

अगर किसी ने एसबीआई गोल्ड ईटीएफ में हर महीने 10,000 रुपये का एसआईपी किया होता, तो उसे एक साल में 54.35% का रिटर्न मिला। वहीं, एसबीआई निपटी 50 ईटीएफ में इतना ही निवेश करने पर सिर्फ 2.93% रिटर्न मिला। अन्य 16 गोल्ड ईटीएफ ने पिछले एक साल में 48.32% से 54.85% तक का रिटर्न दिया है। एक्सिस गोल्ड ईटीएफ ने 54.85% और निप्पोन इंडिया ईटीएफ गोल्ड ने 48.32% का रिटर्न दिया है।

बाकी ईटीएफ का क्या हाल

15 निपटी 50 ईटीएफ ने 2.87% से 3.03% तक का रिटर्न दिया। इनमें क्वांटम निपटी 50 ईटीएफ एकओएफ ने 3.03% और इनवेस्टो इंडिया निपटी 50 ईटीएफ ने 2.87% का रिटर्न दिया। बाजार के जानकारों का मानना है कि सोने में उतार-चढ़ाव अभी जारी रहेगा। जोखिम उठाने वाले निवेशक इस तेजी का फायदा उठा सकते हैं, जबकि सावधानी बरतने वाले निवेशक गिरावट का इंतजार कर सकते हैं।

क्या है गोल्ड ईटीएफ

गोल्ड ईटीएफ एक ऐसी एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड है, जिसमें सोने की कीमत को टैक करने के लिए निवेश किया जाता है। यह एक ऐसी संपत्ति है जो सोने की कीमत के साथ बढ़ती है, जैसे कि अगर सोने की कीमत बढ़ती है, तो गोल्ड ईटीएफ की कीमत भी बढ़ेगी। यह भौतिक सोने का प्रतिनिधित्व करता है, लेकिन उसे शारीरिक रूप से रखने की आवश्यकता नहीं होती है। यह निवेशकों को सोने में निवेश करने का अवसर प्रदान करता है बिना भौतिक सोना खरीदने की आवश्यकता के।

सोने में निवेश करने के ये भी ऑप्शन

- सोने के सिक्के या बार : सोने के सिक्के या बार खरीदना एक पारंपरिक तरीका है।
- सोने के जेवर : सोने के जेवर भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स : गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- गोल्ड म्यूचुअल फंड्स के फायदे : गोल्ड म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- सोने के शेयर्स : सोने के शेयर्स में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है।
- सोने के शेयर्स के फायदे : सोने के शेयर्स में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।
- ऑनलाइन प्लेटफॉर्म : जैसे कि पीटीएम गोल्ड, गोल्डबाजार, आदि पर सोने में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सोने में निवेश करने से आप सोने की कीमत में उतार-चढ़ाव से लाभ उठा सकते हैं।



कुछ टिप्स अपनाएं और घटाएं होम लोन की ईएमआई का बोझ

सुझाव

बिजनेस डेस्क

हर किसी का मन होता है कि अपने सपनों का घर खरीदे, लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। ऐसे में लोग होम लोन का सहारा लेते हैं और होम लोन की ईएमआई हर महीने भरना भी एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। होम लोन एक प्रकार का ऋण है जो व्यक्तियों को घर खरीदने या बनाने के लिए प्रदान किया जाता है। यह ऋण आमतौर पर बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा प्रदान किया जाता है और इसकी अदायगी कई वर्षों में की जाती है। अगर आप होम लोने के बोझ को कम करना चाहते हैं, तो कुछ आसान टिप्स को अपनाकर राहत पा सकते हैं। हालांकि होम लोन लेने से पहले, यह महत्वपूर्ण है कि आप अपने वित्तीय स्थिति और ऋण की शर्तों को ध्यान से समझें और अपने निर्णय के बारे में सुनिश्चित हों।

डाउन पेमेंट का रखें ध्यान
जब आप घर खरीदते हैं, तो जितना अधिक पैसा शुरू में डाउन पेमेंट के लिए देगे, उतना ही कम लोन की, ईएमआई देना पड़ेगा। कम लोन ईएमआई का मतलब आपको कम ब्याज भी देना होगा। इसलिए, कोशिश करें कि शुरुआत में ही ज्यादा से ज्यादा रकम जमा करें।

लोन की अवधि बढ़ाएं
अगर आपकी मंथली सैलरी कम है, तो आप लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं। हालांकि, इससे कुल ब्याज बढ़ सकता है, लेकिन मासिक किश्तें कम हो जाएंगी, जिससे आपकी जेब पर कम दबाव पड़ेगा।

समय-समय पर प्री-पेमेंट करें
अगर आपको बोनस, टैक्स रिफंड या कोई और अतिरिक्त आय मिलती है, तो उसका यूज करके लोन का कुछ हिस्सा पहले चुकाने में करें। इससे आपका मूलधन कम होगा और ब्याज में भी बचत होगी।

बेहतर क्रेडिट स्कोर बनाएं
अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर बैंक आपको कम ब्याज दर पर लोन देते हैं। इसके लिए समय पर बिल और लोन की किश्तें चुकाएं और साथ ही, क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल करें और कर्ज के जाल से खुल को बचाएं।
बैंक बदलने का भी है ऑप्शन
अगर किसी और बैंक में कम ब्याज दर पर लोन मिल रहा है, तो आप अपने लोन को वहां ट्रांसफर कर सकते हैं। हालांकि, इससे पहले सभी शर्तों और चार्जों की जानकारी जरूर लें।

एलटीएम रेट लोन चुनें
प्लोटींग रेट लोन में ब्याज दर बाजार के अनुसार बदलती रहती है। अगर बाजार में ब्याज दरें कम होती हैं, तो आपकी ईएमआई भी कम हो सकती है। हालांकि, इसमें जोखिम भी होता है, क्योंकि दरें बढ़ भी सकती हैं।

ईएमआई अमाउंट बढ़ाएं
अगर आपकी आय बढ़ी है, तो आप अपनी ईएमआई बढ़ाकर लोन जल्दी चुका सकते हैं। इससे कुल ब्याज में

कुछ आसान से तरीके आपकी परेशानी को कर सकते हैं कम

लोन की अवधि बढ़ाकर ईएमआई कम कर सकते हैं

मकान खरीदने के लिए अधिक से अधिक डाउन पेमेंट करें

अच्छा क्रेडिट स्कोर होने पर कम ब्याज दर पर लोन मिलता है

बचत होगी और आप जल्दी कर्ज मुक्त हो जाएंगे।

म्यूचुअल फंड में निवेश करें
अगर आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो कुछ सालों में एक अच्छी राशि जमा हो सकती है। इस राशि का उपयोग लोन का प्री-पेमेंट करने में किया जा सकता है, जिससे लोन की अवधि और ब्याज दोनों कम होंगे।

लोन की अवधि कम करें
अगर आप थोड़ी अधिक ईएमआई दे सकते हैं, तो लोन की अवधि कम रखें। इससे कुल ब्याज में बचत होगी और जल्दी ही कर्ज खत्म हो जाएगा।

होम लोन की विशेषताएं

- लंबी अवधि : होम लोन की अवधि आमतौर पर 10 से 30 वर्षों तक होती है, जिससे आप अपने ऋण को धीरे-धीरे चुका सकते हैं।
- ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।
- सुरक्षा : होम लोन के लिए घर ही सुरक्षा के रूप में कार्य करता है, जिसका अर्थ है कि यदि आप ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।
- होम लोन के कुछ फायदे
- घर खरीदने में मदद : होम लोन आपको घर खरीदने में मदद कर सकता है जो आपके लिए एक महत्वपूर्ण निवेश हो सकता है।
- लंबी अवधि : होम लोन की लंबी अवधि आपको अपने ऋण को धीरे-धीरे चुकाने में मदद कर सकती है।
- कम ब्याज दर : होम लोन पर ब्याज दर आमतौर पर अन्य प्रकार के ऋणों की तुलना में कम होती है।

होम लोन के कुछ नुकसान

- ब्याज का भुगतान : होम लोन पर आपको ब्याज का भुगतान करना होता है, जो आपके ऋण की कुल राशि को बढ़ा सकता है।
- जुर्माना : यदि आप अपने ऋण का भुगतान समय पर नहीं करते हैं तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है।
- घर की जल्बी : यदि आप अपने ऋण का भुगतान नहीं कर पाते हैं तो बैंक घर को जब्त कर सकता है।

स्वीप-इन-एफडी, जब जरूरत हो निकालें रुपये व ब्याज भी बढ़िया

जानकारी

बिजनेस डेस्क

अगर बात निवेश की आती है तो ट्रेडिशनल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) सबसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। एफडी की बात करें तो यह सेविंग्स अकाउंट से अधिक या तकरीबन डबल ब्याज देता है। बैंकों के सेविंग्स अकाउंट पर जहां 3.5 से 4 फीसदी सालाना के हिसाब से ब्याज मिल रहा है, वहीं फिक्स्ड डिपॉजिट पर 7 से 8 फीसदी ब्याज दर है। हालांकि एफडी में एक तय समय के लिए पैसा ब्लांक हो जाने से तुरंत लिक्विडिटी की सुविधा नहीं मिलती है। इस वजह से बहुत से लोग सेविंग्स अकाउंट में पैसे पड़े रहने देते हैं। लेकिन अगर आप लिक्विडिटी के साथ हाई इंटेरेस्ट रेट चाहते हैं तो आपके लिए स्वीप इन एफडी बेहद काम आ सकती है। स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसमें एफडी के बराबर ब्याज मिलता है। एफडी की स्वीप-इन सुविधा निवेशक को बैंक खाते में अतिरिक्त धनराशि को एफडी अकाउंट में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। कहने का मतलब है कि स्वीप-इन-एफडी एक ऑटो-स्वीप सर्विस होती है। इसके तहत आपके सेविंग्स अकाउंट में जो भी एक्स्ट्रा पैसे होते हैं, उन्हें एफडी में ट्रांसफर कर दिया जाता है। यानी यह एक प्रकार का फिक्स्ड डिपॉजिट है जो निवेशकों को अपने बचत खाते से अतिरिक्त धनराशि को ऑटोमैटिक रूप से एफडी खाते में ट्रांसफर करने की अनुमति देता है। इसमें जहां एफडी के बराबर ब्याज मिलता है, वहीं इमरजेंसी में भी तुरंत आप अपने फंड तक पहुंच सकते हैं।

तय करनी होती है लिमिट

स्वीप-इन-एफडी के लिए आपको पहले अपने अकाउंट के लिए एक थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करनी होगी। इस लिमिट से ज्यादा पैसे एक्स्ट्रा पैसे माने जाएंगे। वैसे तो बैंक ही स्वीप थ्रेसहोल्ड लिमिट तय करना है, लेकिन अकाउंट होल्डर को जरूरत के हिसाब से इसे कस्टमाइज करने का विकल्प भी देता है। यह वह लिमिट होती है, जिससे अधिक पैसे होने पर वह अमाउंट खुद ही एफडी अकाउंट में ट्रांसफर हो जाता है। इस तरह से आपने जो लिमिट तय की है, उसे इमरजेंसी फंड के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं, वहीं एक्स्ट्रा फंड पर आपको एफडी वाला ब्याज मिलने लगेगा।

अवधि और कम से कम निवेश

स्वीप इन एफडी की अवधि 1 साल से 5 साल की होती है। वहीं, बैंक आम तौर पर बचत खाते से स्वीप-इन एफडी में 1 हजार रुपये के मल्टीपल में रकम ट्रांसफर करते हैं। कुछ बैंक निवेशकों के निर्देश के अनुसार 1 रुपये से 1000 रुपये की रेंज में ट्रांसफर की भी अनुमति देते हैं।

कितनी है ब्याज दर

स्वीप-इन एफडी खाते के लिए ब्याज दर किसी भी सामान्य एफडी के समान ही होती है। यह निवेश की अवधि पर भी निर्भर करता है। जैसे एफडी में अलग-अलग अवधि के लिए अलग अलग ब्याज दरें तय होती हैं।

बैंकों में अलग अलग ब्याज दर

बैंक	ब्याज दर
एक्सिस बैंक	5.75%-7.00%
एसबीआई	4.75%-6.50%
एचडीएफसी	4.50%-7.00%
आईसीआईसीआई	4.50%-6.90%
केनरा बैंक	5.50%-6.70%
बैंक ऑफ बड़ौदा	5.50%-6.50%



स्वीप-इन एफडी आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है।

अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितना दिन वह निवेश रहती है।

पीएनबी	4.50%-6.50%
आईडीबीआई	4.50%-4.80%
इंडियन बैंक	3-50%-6-10%
यस बैंक	4.75%-7.00%
ड्राकघर	6.90%-7.50%
आरबीएल	4.75%-7.00%
आईडीएफसी	4.50%-7.00%

पैसे निकालने का क्या है नियम

आम तौर पर स्वीप-इन एफडी अपनी मैच्योरिटी से पहले आपके स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते समय लास्ट इन फस्ट आउट (एलआईएफओ) मेथड का उपयोग करते हैं।

इसका मतलब है कि अगर आपके बैंक बचत खाते में बैलेंस चेक या एसआईपी के भुगतान के लिए जरूरी धनराशि से कम है, तो एलआईएफओ मेथड का उपयोग करके स्वीप-इन एफडी से राशि निकाल ली जाती है। यानी स्वीप-इन एफडी आपको आकर्षक ब्याज दर के साथ हाई लेवल की लिक्विडिटी भी प्रदान करता है। अगर आप अक्सर स्वीप-इन एफडी से पैसा निकालते हैं, तो निकाली गई राशि पर उतना ही ब्याज मिलेगा, जितने दिन वह निवेश रहा है। स्वीप-इन सुविधा के माध्यम से एफडी में निवेश की गई अतिरिक्त राशि को पूरी एफडी तोड़े बिना निकाला जा सकता है। साथ ही, बैंक एफडी से स्वेप्ट-इन पैसा निकालने पर कोई जुर्माना नहीं लगेगा।

दंपति के लिए खास स्कीम, हर साल एक लाख से ज्यादा होगी इनकम

पोस्ट ऑफिस एमआईएस में वन टाइम करना होगा डिपॉजिट ● सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट के जरिए 15 लाख तक जमा कर सकते हैं जमा

रिटर्न

बिजनेस डेस्क

अगर आप शादीशुदा हैं और रेगुलर इनकम के लिए किसी अच्छी स्कीम को तलाश में हैं तो ध्यान दें। आप सरकारी स्कीम की तरह एक ज्वॉइंट अकाउंट खुलवाकर हर साल 1 लाख 10 हजार रुपये (1.10 लाख रुपये) की इनकम कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम (पीओएमआईएस) के बारे में। आकर्षक ब्याज दरों के साथ, पोस्ट ऑफिस का यह मंथली इनकम अकाउंट निवेश के लिए एक सुरक्षित विकल्प है। इस स्कीम में वन टाइम डिपॉजिट करने पर रेगुलर इनकम का लाभ मिलता रहता है।

ब्याज दर 7.4% सालाना

पोस्ट ऑफिस मंथली इनकम अकाउंट पर मौजूदा ब्याज दर 7.4 फीसदी सालाना है। इसमें अब सिंगल अकाउंट के जरिए 9 लाख और ज्वॉइंट अकाउंट के जरिए अधिकतम 15 लाख रुपये जमा किए जा सकते हैं। पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम अकाउंट सरकार द्वारा समर्थित स्मॉल सेविंग्स स्कीम है, जहां गारंटीड रिटर्न मिलता है। पोस्ट ऑफिस की योजना है तो इसमें 100 फीसदी सुरक्षा की गारंटी है। इसमें सिंगल अकाउंट के साथ ही स्प्राउंस के साथ मिलकर ज्वॉइंट अकाउंट खोलने की भी सुविधा है।

हर माह कितनी आएगी रकम

ज्वाइंट अकाउंट में

- ब्याज दर: 7.4 फीसदी सालाना
- ज्वॉइंट अकाउंट से अधिकतम निवेश: 15 लाख रुपये
- सालाना ब्याज: 1,11,000 रुपये
- मंथली ब्याज: 9250 रुपये

अगर सिंगल अकाउंट हो तो

- ब्याज दर: 7.4 फीसदी सालाना
- सिंगल अकाउंट से अधिकतम निवेश: 9 लाख रुपये
- सालाना ब्याज: 66,600 रुपये
- मंथली ब्याज: 5550 रुपये



मैच्योरिटी के बाद एक्सटेंड कर सकेगे

इस स्माल सेविंग्स स्कीम पर 7.4 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है। इसमें जमा पैसे पर जो भी सालाना ब्याज होता है, उसे 12 हिस्से में बांट दिया जाता है, और वह हर महीने आपके अकाउंट में आएगा। अगर आप मंथली पैसा निकालें तो वह आपके पोस्ट ऑफिस सेविंग अकाउंट में रहेगी और मूलधन के साथ इस धन को भी जोड़कर आपको आगे ब्याज मिलेगा। इस स्कीम की मैच्योरिटी 5 साल है, लेकिन 5 साल बाद नए ब्याज दर के हिसाब से इसे आगे बढ़ा सकते हैं।

क्या है स्कीम के लिए योग्यता

- बालिग के नाम से सिंगल अकाउंट

- ज्वॉइंट अकाउंट (अधिकतम 3 एडल्ट मिलकर) (ज्वॉइंट A या ज्वॉइंट B)
- माइक्रर के नाम पर उसका गारंजियन अकाउंट खोल सकता है
- 10 साल का माइक्रर है तो उसके नाम से

क्या है पीओएमआईएस
पोस्ट ऑफिस की मंथली इनकम स्कीम यानी पीओएमआईएस में आपको एकमुश्त निवेश करना होता है। उसी पर आपको ब्याज दर का फायदा मिलता है। इस स्कीम में निवेश करने के बाद आपको 5 सालों तक ब्याज का लाभ मिलता रहता है। मंथली इनकम स्कीम डाकघर की एक छोटी बचत योजना है। इस स्कीम में सिंगल और ज्वाइंट दोनों तरह से अपना खाता खुलाना सकते हैं। इस स्कीम में निवेश करने पर आपको वर्तमान में 7.4 प्रतिशत की ब्याज दर मिल रही है।

ख़बर संक्षेप

किसान को दिया 1.25 लाख रुपये का चेक

मंडी अटेली। अटेली मार्केट कमेटी की ओर से बिहाली के किसान गोवर्धन को नारनौल के एसडीएम रमित कुमार ने एक लाख 25 हजार रुपये का चेक दिया। गोवर्धन को पिछले वर्ष 24 नवंबर को खेत में लाइन बदलते समय लाइन का पाइप तारों से टच हो गया था, जिसके चलते उसकी करंट लग गया। इस करंट से उसके एक पैर का हिस्सा बिल्कुल खराब हो गया था, जिसके चलते डॉक्टरों द्वारा उसका पैर काटना पड़ गया था। इस मौके पर अटेली मार्केट कमेटी के सहायक सचिव संजय कुमार ने बताया कि हरियाणा सरकार किसान हितेशी है।

कांग्रेस ने आतंकवाद के खिलाफ निकाली रैली

नांगल चौधरी। युवा कांग्रेस के जिला प्रधान पुनीत बुलान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शहर में आतंकवाद के खिलाफ आक्रोश रैली निकाली। पहलगाम में आतंकी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि दी तथा मौन धारण करके परिजनों को सद्मा सहन करने की शक्ति देने की मन्तमें मांगी। उन्होंने कहा कि आतंकवादी माहौल में सामाजिक एकता व राष्ट्रीय विकास की कल्पना संभव नहीं। कश्मीर के पहलगाम में दूरिस्टों पर हुआ आतंकी हमला निंदनीय है। इससे पूरे देश में आक्रोश बना हुआ है। सरकार को तत्परता पूर्वक आतंकवाद के खिलाफ सख्त फैसले लेने चाहिए, ताकि भय के माहौल को खत्म किया जा सके।

सीआईए रोड पर किया श्याम बाबा का जागरण

नारनौल। श्रीश्याम अरदसा मंडल के तत्वावधान में सीआईए रोड गली नंबर एक में बनवायी लाल सैनी के निवास स्थान पर श्रीश्याम बाबा का कीर्तन किया गया। जिसमें श्रीश्याम बाबा का दरबार रंग बिरंगे लाइटों व फूलों से सजाया गया। इस अवसर पर नवीन शास्त्री ने मुख्य यजमान संजय सैनी व उनकी पत्नी से परिवार सहित बाबा की अखंड ज्योति प्रज्वलित करवाई। गौरव म्यूजिक ग्रुप ये सुनील कुमार ने गणेश वंदना कर जागरण का शुभारंभ किया।

नगर पालिका ने वाई दो में चलाया सफाई अभियान

महेंद्रगढ़। स्वच्छ भारत अभियान के तहत नगर पालिका ने शहर के वाई नंबर दो में सफाई अभियान चलाया। अभियान के तहत वाई में गलियों, नालियों व सड़कों की सफाई की गई। नगर पालिका सचिव अनिल कुमार ने कहा कि सफाई अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को साफ सफाई के प्रति जागरूक करना है। लोगों की भागीदारी से ही शहर को गंदगी से मुक्त किया जा सकता है। शहर के विभिन्न वाडों में सफाई कर लोगों को अभियान के साथ जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि सफाई हमारे स्वस्थ का आधार स्तंभ है। घरों आसपास नियमित रूप से सफाई करने से बीमारियां नहीं फैलती हैं।

ट्रामा सेंटर के पीछे अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

नारनौल। जिला नागरिक अस्पताल में बने ट्रामा सेंटर के पीछे एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। यह व्यक्ति पहले भी अस्पताल के ईव-गिर्द घूमता हुआ दिखाई दिया तथा नशे का आदि बताया जा रहा है, लेकिन मूल पहचान नहीं हो पाई। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा अस्पताल के स्टाफ ने उसे उपचार के लिए आपातकालीन वार्ड में ले जाकर चेक किया, लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है।

पानी की छबील लगाकर लोगों को राहत प्रदान की

नारनौल। युवा साथी ग्रुप हरियाणा व उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोटा ने महात्मा ज्योतिबा फुले चौक नांगल चौधरी पर पानी की छबील लगाई। इस पहल के तहत संस्था ने गर्मी के मौसम में लोगों को मीठा पानी पिलाया। संस्था के सदस्य गोपेश सैनी ने बताया संस्था ने गर्मी के मौसम में राहगीरों को छबील लगाकर सेवा करने का प्रस्ताव किया है।

राजकीय महाविद्यालय का वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह धूमधाम से संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

राजकीय महाविद्यालय में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शर्मा एवं महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया। प्राचार्य प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव एवं प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शर्मा का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया। साथ ही महाविद्यालय समस्त स्टाफ सदस्यों ने माल्यार्पण कर दोनों अतिथियों का



महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

अभिर्नंदन एवं भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट का वाचन किया, जिसमें उन्होंने विस्तार से महाविद्यालय के सभी विभागों की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें वर्षभर की गतिविधियों और प्राप्ति का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। समारोह के दौरान विभिन्न

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर डाला प्रकाश

विधायक कंवर सिंह ने प्रतिभागियों के अलावा दूसरे विद्यार्थियों से भी आह्वान किया कि जिन विद्यार्थियों को आज पारितोषिक दिया जा रहा है उन विद्यार्थियों से दूसरे विद्यार्थियों को प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर विस्तार से प्रकाश डाला और कहा कि भारत सरकार ने शिक्षा नीति में बदलाव कर एक अहम कार्य किया है ताकि विद्यार्थियों के हुनर को पहचाना जा सके और विद्यार्थियों में स्वावलंबन की भावना पैदा हो और वे सरकारी या अन्य नौकरी की बजाय स्वयं का रोजगार भी स्थापित कर सकें। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों को भी इस बारे में गहनता से अवगत कराया कि उन्हें शैक्षणिक क्षेत्र में अधिक से अधिक भागीदारी निभानी चाहिए, क्योंकि वहाँ विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हैं तथा यही विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़कर देश और दुनिया को दिशा देते हैं। अतः विद्यार्थियों के लिए शिक्षा का कार्य सबसे पवित्र और अहम है। उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों से यह भी अनुरोध किया कि वे पूरी लगन से विद्यार्थियों को शिक्षित करें ताकि विद्यार्थी देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करें तथा जीवन में प्रेरणा स्रोत के रूप में उभर कर आए। अंत में उन्होंने सभी स्टाफ सदस्यों, महाविद्यालय प्राचार्य और विद्यार्थियों का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया।

शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेलकूद, कला, महिला प्रकोष्ठ आदि क्षेत्रों में एनसीसी, एनएसएस, रेड रिबन, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले

चुनाव करने में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की अहम भूमिका रही

रामकिशन सर्वसम्मति से बने अटेली नगर पालिका के वाइस चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज़ ►► मंडी अटेली

शनिवार को अटेली नगर पालिका के वाइस चेयरमैन का चुनाव सर्वसम्मति सम्पन्न हुआ, जिसमें वाई नंबर 12 के पार्श्व रामकिशन को वाइस चेयरमैन चुन लिया गया। इस चुनाव को लेकर सभी 12 पार्श्वों व चेयरमैन संजय गोयल ने एकमुश्त समर्थन किया। बताया जाता है कि सभी पार्श्वों ने वाइस चेयरमैन के चुनाव को लेकर अटेली की विधायक एवं कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव से पहले ही मुलाकात करके सर्वसम्मति से उपप्रधान मनोनीत करना कि निर्णय ले लिया था। चेयरमैन संजय गोयल यह बात भी साफ कर दी थी कि सभी पार्श्वों का फैसला है कि मंत्री आरती सिंह राव जिस पार्श्व को आशीर्वाद देंगी, उसी को सर्वसम्मति से वाइस चेयरमैन बनाया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया को लेकर सभी पार्श्व एकसुथ सुबह 10 बजे नगर पालिका कार्यालय अटेली में पहुंचे। वहीं कुछ देर बाद ही स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के पीए विकास यादव भी नगर पालिका कार्यालय में नजर आए। नारनौल के एसडीएम एवं चुनाव अधिकारी रमित कुमार के आने पर चुनाव प्रक्रिया चालू की गई, लेकिन



मंडी अटेली। वाइस चेयरमैन का स्वास्थ्य मंत्री कार्यालय में स्वागत व वाइस चेयरमैन बनने के बाद लहू खिलाले स्वास्थ्य मंत्री के पीए विकास यादव।

पार्श्वों की एकता देखने पर केवल रामकिशन ने ही नामांकन पत्र दाखिल किया, जिसको सर्वसम्मति वाइस चेयरमैन चुन लिया गया। चुनाव प्रक्रिया को लेकर पुलिस प्रशासन भी सजग रहा। थाना प्रभारी देवेन्द्र कुमार अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। इस 2025 के चुनाव से पहले अटेली कस्बा 11 वार्डों में विभाजित था। 12 नंबर वार्ड इस बार ही बनाया गया है, जिसके मतदाताओं ने मतदान करके रामकिशन को पार्श्व पद का ताज पहनाया। वफादार सहयोगी होने के कारण उन्हें राजनीतिक समर्थन मिला और वाइस चेयरमैन के पद पर सर्वसम्मति से चुन लिए गए।

सूरज डिग्री कॉलेज के चार विद्यार्थी विवि की टॉप-10 मेरिट सूची में

दिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर ने एमएससी प्रथम सेमेस्टर की टॉप 10 मेरिट लिस्ट घोषित की

हरिभूमि न्यूज़ ►► महेंद्रगढ़

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर द्वारा एमएससी प्रथम सेमेस्टर की टॉप 10 मेरिट लिस्ट घोषित की गई, जिसमें सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा, जिसमें एमएससी केमिस्ट्री प्रथम सेमेस्टर की छात्रा अंजलि पुत्री अजीत सिंह, बसई ने 9.54 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में दुसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं एमएससी फिजिक्स



अंजलि।



शबनम

प्रथम सेमेस्टर की छात्रा शबनम पुत्री मोबिन खान, दौंगड़ा अहीर ने 8.92 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त किया। मुस्कान पुत्री नरेद्र यादव, धवाना ने 8.77 एसजीपीए के लेकर विश्वविद्यालय में सातवां स्थान प्राप्त किया और

एमएससी ज्योग्राफी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा साक्षी पुत्री भूपेंद्र सिंह, चरखी दादरी ने 8.77 एसजीपीए लेकर पूरे विश्वविद्यालय में चौथा स्थान प्राप्त किया। कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। कॉलेज निदेशक सदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सीवर हादसे पर सामाजिक संगठनों ने आक्रोश जताया

सीवर लाइन की सफाई करवाने के दौरान सेफ्टी नियमों की हुई अनदेखी: चौधरी

आर्थिक हानियां और

हरिभूमि न्यूज़ ►► नांगल चौधरी

शहर में घटित सीवर हादसे पर सामाजिक संगठनों ने आक्रोश जताया है। गो रक्षा दल के प्रधान सुधीर चौधरी ने विभागीय अधिकारियों पर पंप ऑपरेटर को मोटिवेट करके सीवर में उतारने का आरोप लगाया है। कार्यालय में सेफ्टी किट उपलब्ध होने के बावजूद कर्मचारियों को उपलब्ध नहीं करवाई गई। उपायुक्त से निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है। उन्होंने कहा कि शहर के कई



सुधीर चौधरी।

वाडों में सीवर के पाइपों में उचित ढलान नहीं दिया। जिस कारण लाइन ब्लॉकेज त था ओवरफ्लो होने की समस्या बढ़ गई। एसबीआई बैंक के पास बीते 10 दिनों से सीवर लाइन में ब्लॉकेज है तथा आमरास्तों में गंदा पानी भरने की समस्या बनी हुई है। शिकायत मिलने पर विभागीय अधिकारियों ने ब्लॉकेज हटाने से लिए पंप ऑपरेटर को मोटिवेट करके सीवर में उतार दिया। दूसरे

सेफ्टी किट व उचित सुरक्षा प्रबंधों के सीवर की सफाई नहीं करवा सकते। जिला लेवल पर मशीन मुहैया कराई गई है। जिसके प्रेशर से सीवर की सफाई करना संभव है, लेकिन कनिष्ठ अभियंता की लापरवाही तथा दबाव के कारण दोनों कर्मचारियों की मौत हुई है। गोरक्षा दल के प्रधान ने कहा कि दोनों कर्मचारियों के पिता की मौत करीब 10 साल पहले हो चुकी। परिवार के पालन की जिम्मेवारी इन्ही कर्मियों पर थी, लेकिन हादसे के बाद परिजन सदम में हैं। उन्होंने उपायुक्त की मार्फत सरकार से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने की गुहार लगाई है।

अतिथियों किया पौधा भेंट

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. डॉ. पूर्ण प्रभा ने दोनों मुख्य अतिथियों को पौधा भेंटकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी संवेदनाओं से भी अवगत करवाया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। अंत में प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मी नारायण ने सभी आगंतुकों, मुख्य अतिथियों, विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों का धन्यवाद किया।

विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मुख्यातिथि विधायक कंवर सिंह यादव ने बताया कि विद्यार्थियों को जीवन में अनुशासन का परिचय देते हुए अपनी पढ़ाई का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए, ताकि वे जीवन में उच्चतम मुकाम हासिल कर सकें। यही विद्यार्थी देश दुनिया को दिशा देने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय के किसी भी कार्य के लिए वह हर संभव प्रयास करेंगे, ताकि विद्यार्थियों को अधिक लाभ मिल सके। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ दूसरे क्रियाकलापों में भाग लेना चाहिए, ताकि उनके सर्वांगीण विकास हो सके। शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जिससे विद्यार्थी अपने जीवन में ऊंचे से उंचा मुकाम हासिल कर सकता है।



एचपीएस स्कूल में कव्वाली प्रतियोगिता का आयोजन

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में शनिवार को कक्षा प्रथम व द्वितीय के विद्यार्थियों ने कव्वाली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी मधुर वाणी में बड़ा मुश्किल है इनको समझाना, हमें पापा का बिजनेस है बढ़ाना जैसी सुंदर कविताओं से कव्वाली गाते हुए सभी का मनमोह लिया। कक्षा तीसरी से जवर्वा के विद्यार्थियों के बीच हिन्दी अभिव्यक्ति प्रतियोगिता भी रखी गई। जिसमें विद्यार्थियों ने हिन्दी भाषा के महत्व को दर्शाते हुए निबंध लेखन, कविता पाठ व हिन्दी विषय पर भाषण जैसे विभिन्न मुद्दों के द्वारा हिन्दी भाषा के बारे में अपनी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की।



बीपीएस स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

नारनौल। बीपीएस स्कूल कुलताजपुर रोड में सड़क सुरक्षा व नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डिप्टिनल कमंडर टेकचन्द, फस्ट एड प्रवक्ता पवित्रा यादव, बिगेड ऑफिसर विजय यादव मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों व स्टाफ सदस्यों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने व नशा मुक्ति बारे शपथ दिलाई। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी, साथ उपस्थित विद्यार्थियों को परिवार, समाज तथा देश को नशामुक्त करने के लिए विशेष सहयोग व योगदान देने के लिए प्रेरित किया।



श्रीकृष्ण स्कूल भुंगारका में विद्यार्थियों को किया जागरूक

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेंडरी स्कूल भुंगारका में शनिवार को बिगेड ऑफिसर प्रदीप यादव ने विद्यार्थियों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने उन्हें यातायात के नियमों के बारे में जानकारी दी। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने विद्यार्थियों व आमजन को सड़क पर यात्रा करते समय आवश्यक सावधानियां बरतने को कहा। उन्होंने बताया कि इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाकर यात्रियों के अमूल्य जीवन की रक्षा करना है। बिगेड ऑफिसर प्रदीप यादव ने बच्चों विद्यार्थियों को बताया कि नशा किसी भी प्रकार का अगर कोई भी व्यक्ति करता है। चाहे वह बच्चा हो, बड़ा हो या बुजुर्ग हो। बुरा तो बुरा ही होता है, उसे अच्छा हम कैसे कह सकते हैं।



बीआर स्कूल में सामान्य ज्ञान विषय प्रतियोगिता आयोजित

महेन्द्रगढ़। बीआर स्कूल सेहलन में कक्षा छठी से आठवीं के छात्रों के लिए एक शानदार सामान्य ज्ञान विषय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी ज्ञान क्षमता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों की राष्ट्र और विश्व स्तर पर हो रही वर्तमान घटनाओं से अवगत कराना था। कार्यक्रम की शुरूआत जम्मू-कश्मीर के पहलगाम जिले में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देगे के साथ हुई। प्रमाणपत्र डॉ. राममोहन वशिष्ठ, चेयरमैन हरीश भारद्वाज, और उपप्रधानाध्यक्ष भारद्वाज सहित समस्त स्टाफ और विद्यार्थियों ने एक निमट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। विषय प्रतियोगिता में पांच विभिन्न राउंड्स आयोजित किए गए, जिनमें राष्ट्रीय विषयों, भूगोल, अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं और विश्व इतिहास से जुड़े प्रश्न शामिल थे।



नारनौल। छात्रा को सम्मानित करता स्कूल स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

यदुवंशी थनवास में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

नारनौल। यदुवंशी शिक्षा निकेतन थनवास में शनिवार को सीनियर विंग में भाषण, मिडिल विंग में डांस व किड्स में आइसक्रीम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यालय के सीनियर विंग प्रभारी विशेष यादव ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता में प्रथम निशु, द्वितीय ईशान व तृतीय स्थान पर अंजलि रही। इसी तरह मिडिल विंग प्रभारी सुरेश सैनी ने बताया कि डांस प्रतियोगिता में बिपेश प्रथम, कक्षा सात की छात्रा द्वितीय, वंशिका तृतीय स्थान पर रही। यदुवंशी ग्रुप के अध्यक्ष राव बहादुर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। विद्यालय की डायरेक्टर सुनिता यादव ने कहा कि यदुवंशी की प्रत्येक बाल में हर शनिवार को साप्ताहिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इनमें स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाता है। विद्यालय के प्रधानाध्यक्ष डा. सुनील यादव ने कहा कि यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह का यह सपना है कि प्रत्येक विद्यार्थी को एक उचित प्लेटफार्म मिले।

ख़बर संक्षेप



नारनौल। लिंग अनुपात में सुधार के लिए जागरूकता रैली निकालते हुए।

लिंग अनुपात में सुधार के लिए शिविर आयोजित नारनौल। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुरा के अंतर्गत आयुष्मान आरोग्य मंदिर लहरोदा के तहत गांव आजमनगर सिहार एवं ढाणी फैजाबाद में शनिवार को लिंग अनुपात में सुधार के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें रामपुरा अस्पताल के प्रभारी डा. नवीन कुमार सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अशोक कुमार, मल्टीपर्पज हेल्थ वर्कर सुनील कुमार, एएनएम निर्मला एवं सुमन तथा आशा वर्कर प्रियंका व सुमुन मौजूद रही।

बाबा खेतानाथ पॉलिटेक्निक में पीटीएम कल नारनौल। बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक में 28 अप्रैल को प्रातः 9 बजे अभिभावक शिक्षकगण बैठक का आयोजन होगा। इस बैठक का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, अनुशासन एवं गतिविधियों पर चर्चा करना है।

परशुराम जन्मोत्सव समारोह आज कनीना। भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर्व पर 27 अप्रैल को विशाल समारोह का आयोजन किया जाएगा। राधा कृष्ण मंदिर प्रांगण अटेली में आयोजित होने वाले इस समारोह में मुख्यातिथि पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष व वरिष्ठ समाजसेवी डा. एलसी जोशी, ब्राह्मण महासभा दिल्ली के प्रधान आदेश शर्मा होंगे।

सिलाई, जूट बैग निर्माण ज्वेलरी प्रशिक्षण कल से नारनौल। पंजाब नेशनल बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नसीबपुर में 28 अप्रैल से सिलाई, जूट बैग निर्माण, कृत्रिम ज्वेलरी बनाना तथा कम्प्यूटरीकृत अकाउंटिंग आदि प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा।

वृद्ध अधिवक्ता पर हमला, रुपये भी छीने नारनौल। मंडलाना के समीप स्कूटी से अपने घर जा रहे एक करीब 70 वर्षीय अधिवक्ता पर तीन लोगों ने हमला कर दिया तथा उससे लगभग 1500 रुपये छीनकर फरार हो गए। पीड़ित एडवोकेट शादीराम ने बताया कि कोर्ट कार्य करने के बाद वह अपने घर जा रहा था। 24 अप्रैल की सांय करीब चार-सवार चार बजे जब अपनी स्कूटी से जा रहा था और मंडलाना पार करके मोड़ से आगे टी च्वाइट पर पहुँचा तो पीछे से दो बाइक आई, जिसमें से एक पर एक तथा एक बाइक पर दो व्यक्ति सवार थे, पीछे बैठा मोटा तगड़ा लड़का आया और उसने रॉड उसके हेलमेट पर मारी और गर्दन मरोड़ दी। इससे हेलमेट गिर गया तथा उसके बायें हाथ व पैर पर चोटें मारी, जिससे वह भी गिर गया। गिरे हुए पर तीन व्यक्तियों ने उसे लात-मुसी मारे तथा उसकी जेब से 1500 रुपये जबरदस्ती छीन ले गए तथा हेलमेट भी तोड़ दिया। जाते समय ऐलानियां धमकी दी।

आतंकवादी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

नारनौल। शहर के मानक चौक से आजाद चौक तक भारत विकास परिषद के सदस्यों ने पहलुगाम में हुई घटना में जिन निदोष लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनकी आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च निकाला। इस मौके पर अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा, सुभाष सिंगला, राजकुमार यादव, भगत सैनी, हितेन्द्र शेखर, पवन यादव, महेंद्र शर्मा, संजय बीहड़ा, संजय शर्मा, राकेश शर्मा, अश्वनी कटारिया, पवन अरोड़ा, नीरज अगवाला, वैद्य वींडी वशिष्ठ, प्रीति शर्मा, प्रतिभा, सरोज कश्यप, लक्ष्मी सचदेवा, विष्णु गर्ग, सुनील चुप, नरेश गोगिया, धीरज अ्याना, अशोक शर्मा पवन अरोड़ा आदि मौजूद थे।

हरिभूमि आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुडा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।

नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरुण कलर तैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल

फोन : 8295738500, 9253681005

दूसरी बार जानलेवा हमला करने पर एक दर्जन के खिलाफ मुकदमा दर्ज, खेत से लौटते समय किया हमला

साथियों ने नागरिक अस्पताल में करवाया भर्ती, प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर पीजीआई रोहतक के लिए किया रेफर

हमलावरों ने उसका मोबाइल फोन भी फोड़ दिया

इसके बाद उसके साथियों ने उसे नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां प्राथमिक उपचार उपरांत उसे हायर सेंटर पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया गया। परिवारवाले उसे जीके सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल मेहँ तथा बाद में उसे दुर्लभ जी अस्पताल जयपुर लेकर आए, जहां उसका इलाज चल रहा है। इस झगड़े में हमलावरों ने उसका मोबाइल फोन भी फोड़ दिया। शादी में मिली सोने की

वेन तोड़ ले गए। उसे इतना बेरहमी से मारा गया कि उसके शरीर का बहुत ज्यादा खून निकल गया तथा डाक्टरों को उसकी जान बचाने के लिए खून चढ़ाना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावर आपराधिक प्रवृति के व्यक्ति हैं और नशा करते हैं तथा नशे का सामान बेचते हैं। उन्होंने परिवारवालों को भी जान से मारने की धमकी दी है कि यदि मैंने कोई पुलिस शिकायत दी तो अंजाम और भी बुरा होगा।

व खेतों के साथ-साथ सड़क से काढ़ीपुरी की तरफ टहलता हुआ व खेतों को संभालता हुआ घर की तरफ लौट रहा था, तब उपरोक्त सभी लोग तीन मोटरसाइकिलों पर

इस बार निर्धारित शेड्यूल से चार दिन कम आया था नहर में पानी

देर से आएगा नहरी पानी, छा सकता है पेयजल संकट, 3 टैंक खाली, 1 में बचा 8 फीट पानी

जनस्वास्थ्य विभाग ने 10 अप्रैल से शुरू किया था अल्टरनेट सिस्टम

शहर में पेयजल सप्लाई के लिए गांव देवास में शहर में पेयजल सप्लाई के लिए 5 टैंक बनाए हुए हैं। जिन्हें नहर में पानी आने के बाद भर दिया जाता है। करीब 15 से 16 दिन तक शहर को बिना किसी परेशानी के नियमित रूप से पेयजल सप्लाई की जा सकती है। वर्तमान में जलघर के टैंक नंबर एक, तीन और चार लगभग खाली हो चुके हैं। जिसे अब मोटर पानी उठाने बंद कर चुकी है। टैंक नंबर 2 में लगभग 8 फीट पानी है। जिससे विभाग को आगामी कुछ दिन तक शहर में पेयजल सप्लाई करनी है। वहीं दो नंबर टैंक की मोटर भी अन्य टैंक को के मुकाबले पानी उठाने में कमजोर है।

दो नंबर टैंक की मोटर पानी उठाने में कमजोर

शहर में पेयजल सप्लाई के लिए गांव देवास में शहर में पेयजल सप्लाई के लिए 5 टैंक बनाए हुए हैं। जिन्हें नहर में पानी आने के बाद भर दिया जाता है। करीब 15 से 16 दिन तक शहर को बिना किसी परेशानी के नियमित रूप से पेयजल सप्लाई की जा सकती है। वर्तमान में जलघर के टैंक नंबर एक, तीन और चार लगभग खाली हो चुके हैं। जिसे अब मोटर पानी उठाने बंद कर चुकी है। टैंक नंबर 2 में लगभग 8 फीट पानी है। जिससे विभाग को आगामी कुछ दिन तक शहर में पेयजल सप्लाई करनी है। वहीं दो नंबर टैंक की मोटर भी अन्य टैंक को के मुकाबले पानी उठाने में कमजोर है।

दो टैंक ही हुए थे फुल

जलघर के टैंक नंबर एक की क्षमता साढ़े लाख करोड़ लीटर है। टैंक नंबर दो की क्षमता साढ़े लाख करोड़ लीटर है। नहर में पानी आने के दौरान केवल टैंक नंबर एक और दो ही फुल हो पाए थे। 4 करोड़ लीटर की क्षमता के टैंक नंबर तीन और 5 करोड़ लीटर की क्षमता के टैंक नंबर चार में केवल 80 प्रतिशत ही पानी भर पाया था।

आपूर्ति होता है। इस बार महेंद्रगढ़ जिला में निर्धारित शेड्यूल से छह दिन में नहरी पानी मिला है। ऐसे में शहर के लोगों को पेयजल क्ललत का सामना करना पड़ सकता है। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार 16

दिन नहर में पानी आता है तथा 24 दिन बंद रहता है। दो जनवरी को जवाहर लाल केनल में पानी आया था। निर्धारित शेड्यूल के अनुसार पिछले बार से नहर में पानी कम आ रहा है।

रोज 6.45 लाख लीटर की जरूरत

प्रतिदिन शहर की आबादी को प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 155 लीटर पानी के हिसाब से कुल 6.45 लाख लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस हिसाब से जन स्वास्थ्य विभाग के पास शहर को नियमित आपूर्ति के लिए महज 10 दिनों का ही पानी स्टोरेज हो सकता है। इसके बाद विभाग द्वारा पानी की राशिनग शुरू कर दी जाती है। देवास जलघर में तीन बोरवेल भी बने हुए हैं, लेकिन इन बोर से पेयजल आपूर्ति बनाए रखना चुनौती से कम नहीं है।

30 को आएगा नहर में पानी

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई मनीष कुमार का कहना है कि 30 अप्रैल को शहर में पानी आने की उम्मीद है। विभाग को इस बार प्लांट माला में पानी नहीं मिल पाया है। ऐसे में 10 अप्रैल से शहर में अल्टरनेट सिस्टम शुरू किया था। आमजन से अपील है कि पेयजल का सदुपयोग करें।

यदुवंशी कॉलेज के विद्यार्थियों ने पाया मेरिट में स्थान

देवयानी के विद्यार्थियों ने पाई बेहतरीन रैंक

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल के विद्यार्थियों ने ओलंपियाड के सेकेंड लेवल में बेहतरीन रैंक के साथ क्वालीफाई किया। हर्मायनी और नव्या यादव ने स्टेट लेवल पर 30 रैंक के साथ गोल्ड मेडल और एक्सीलेंट सर्टिफिकेट, जतिन यादव ने 85 रैंक के साथ ब्रांज मेडल और एक्सीलेंट सर्टिफिकेट, तनीषा यादव ने 89 रैंक के साथ गोल्ड मेडल और एक्सीलेंट सर्टिफिकेट, भावेश, सारांश यादव, समर, हर्ष यादव, अनु यादव, वंशिका राव, जानवी,

सर्टिफिकेट और ब्रांज मेडल प्राप्त किया। जयेश, यश कुमार, रुद्र, केशव, आलोक, अंकुर, आरोही, आरुष, नमन, चिरायु, लक्ष्य, दिव्या, प्रिया सहित सभी विद्यार्थियों ने बेहतरीन रैंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि बच्चों को अपनी एकेडमिक प्रोग्रेस को जांचने के लिए सुनहरा मौका होता है। समय-समय पर होने वाली इन प्रतियोगिता में हिस्सा लेना चाहिए, ताकि बच्चे अपना मूल्यांकन कर सकें। इस मौके पर विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। **फोटो: हरिभूमि**

प्रियांशु ने एक्सीलेंट सर्टिफिकेट और गोल्ड मेडल प्राप्त किया। चिराग यादव, पार्थ राव, मधुर, कुमार प्रणव ने सिल्वर मेडल और एक्सीलेंट सर्टिफिकेट प्राप्त किया। ईशांत, पीयूष यादव, कुणाल व मोहन ने एक्सीलेंट

बच्चों की प्रतिभा को खोजने के लिए हैप्पी स्कूल में टैलेंट हंट आयोजित

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

शहर के डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन सोनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों में छिपी प्रतिभा को उजागर करने हेतु टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यालय की मैनेजर चंचल अग्रवाल और प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई।

हरिभूमि न्यूज ►► महेंद्रगढ़

शहर के डुलाना रोड स्थित हैप्पी एवरग्रीन सोनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों में छिपी प्रतिभा को उजागर करने हेतु टैलेंट हंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यालय की मैनेजर चंचल अग्रवाल और प्रधानाचार्य डॉ. जेएस कुंतल ने मुख्य अतिथि की भूमिका निभाई।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देती छात्राएं। **फोटो: हरिभूमि**

विंग प्रभारी ईश्वर सिंह की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आतंकवादी हमले के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

नारनौल। शहर के मानक चौक से आजाद चौक तक भारत विकास परिषद के सदस्यों ने पहलुगाम में हुई घटना में जिन निदोष लोगों ने अपनी जान गंवाई, उनकी आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च निकाला। इस मौके पर अध्यक्ष कवीन्द्र सचदेवा, सुभाष सिंगला, राजकुमार यादव, भगत सैनी, हितेन्द्र शेखर, पवन यादव, महेंद्र शर्मा, संजय बीहड़ा, संजय शर्मा, राकेश शर्मा, अश्वनी कटारिया, पवन अरोड़ा, नीरज अगवाला, वैद्य वींडी वशिष्ठ, प्रीति शर्मा, प्रतिभा, सरोज कश्यप, लक्ष्मी सचदेवा, विष्णु गर्ग, सुनील चुप, नरेश गोगिया, धीरज अ्याना, अशोक शर्मा पवन अरोड़ा आदि मौजूद थे।

आरोपी की पहचान की गई व थाने से आपराधिक रिकॉर्ड प्राप्त किया गया

हरिभूमि न्यूज ►► नारनौल

पुलिस महानिदेशक के आदेशानुसार हरियाणा पुलिस की ओर से नशा तस्करी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। राज्य में नशा तस्करी पर पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के अनुसार अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया हुआ है। जिस पर पुलिस अधीक्षक पूजा ने संज्ञान लेते हुये नशीले पदार्थों की तस्करी करने के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपित मनोज निवासी बिहाली थाना अटेली की पहचान की गई तथा संबंधित थाना से मनोज का आपराधिक रिकॉर्ड प्राप्त किया गया। जिसके अनुसार अनोज के

थी, जिसमें यह प्रत्यक्ष रूप से शामिल रहता था। जमानत पर बाहर आने के बाद इसकी गतिविधियों पर पुलिस की ओर से लगातार नजर रखी जा रही थी। गतिविधियों के गहन विशलेषण के उपरान्त पाया गया कि आरोपित मनोज लगातार नशा तस्करी के संपर्क में रह रहा है। आरोपित मनोज के खिलाफ अंकित अभियोगों का पूरा रिकॉर्ड

सम्बन्धित थाना से एकत्रित किया गया, जिसके उपरान्त आरोपित विक्रम के विरुद्ध पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम की धारा 3 (1) का प्रारूप प्रस्ताव तैयार करके एसीएस होम, हरियाणा सरकार को भेजा गया। जिस पर उनके द्वारा अवरलोकन कर संज्ञान लिया गया और पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ की ओर से भेजे गए प्रारूप प्रस्ताव को स्वीकृत

करते हुए आरोपित मनोज को पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम की धारा 3 (1) के अनुसार जिला जेल नसीबपुर नारनौल में नजरबन्द करने के आदेश पारित किए गए। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के मार्गदर्शन में जिले में पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के अन्तर्गत किसी आरोपित को नजरबन्द करवाने का यह दूसरा मामला है। भविष्य में भी इसी प्रकार से अवैध रूप से नशे की तस्करी करने वाले अपराधियों को पीआईटी एनडीपीएस अधिनियम के अन्तर्गत नजरबन्द करवाने का यह मामला जारी रहेगा, ताकि नशा तस्करो पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाया जा सके।

विशेष

अंतरराष्ट्रीय नृत्य दिवस

29 अप्रैल

कवर स्टोरी

रेणु खंतवाल

पिछले साल जब 90 वर्ष की आयु में जानी-मानी अभिनेत्री और भरतनाट्यम नृत्यांगना वैजयंती माला ने अयोध्या आकर नवनर्मित राम मंदिर में आयोजित भव्य कार्यक्रम में रामलला के समक्ष अपनी नृत्य प्रस्तुति दी तो लोग इस उम्र में उनके नृत्य, समर्पण और श्रद्धा देख कर सुखद आश्चर्य से भर उठे। लोग हैरान थे कि इस आयु में जहां इंसान बिना सहारा लिए ठीक से चल नहीं सकता, वहीं वैजयंती माला प्रभु श्रीराम के समक्ष नृत्य प्रस्तुत कर रही हैं। चर्चा उनकी शारीरिक, मानसिक फिटनेस और नृत्य की शक्ति की भी खूब हुई। नृत्य की इस शक्ति को लाखों-करोड़ों लोगों ने अपनी आंखों से देखा।

शरीर रहता है फिट-एनर्जेटिक

वैजयंती माला ही नहीं इस समय देश की कई प्रसिद्ध नृत्यांगनाएं ऐसी हैं, जो सात से ज्यादा दशक पार कर चुकी हैं लेकिन नियमित रूप से अपनी नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। इनमें उमा शर्मा और सोनल मान सिंह प्रमुख रूप से शामिल हैं। शोवना नारायण भी उम्र के 75वें पड़ाव पर हैं, लगातार नृत्य प्रस्तुतियां दे रही हैं। जब वे मंच पर नृत्य करती हैं तो ध्यान उनकी आयु की तरफ जाता ही नहीं। उनके नृत्य की लय, गति और परिक्रमा करने की फुर्ती में, युवाओं से कहीं कोई अंतर नहीं दिखता। इससे ही समझ सकते हैं कि नृत्य ने इन नृत्यांगनाओं को कितना फिट और एनर्जेटिक बना रखा है कि उम्र की थकान या धीमी पड़ती रफ्तार इनके आस-पास भी ठहर नहीं पाती। ये सभी लघुभग रोज नृत्य करती हैं और अपने शिष्यों को भी सिखाती हैं।

एक बार अभिनेत्री-नृत्यांगना हेमा मालिनी ने भी मेरे साथ हुई बातचीत में बताया था, 'नृत्य मेरे जीवन का अभिन्न अंग है। मैं रोज नृत्य और योगाभ्यास करती हूं और यही मेरी फिटनेस का राज है। इससे मेरी बॉडी इतनी लचीली हो गई है कि आराम से आवश्यकतानुसार मोड़ सकती हूं। इसकी वजह से मैं शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहती हूं और अपने सभी कार्य अच्छी तरह से कर पाती हूं।'

होते हैं ये भी फायदे

वास्तव में नृत्य से इंसान को क्या-क्या फायदे होते हैं, इसकी लिस्ट बहुत लंबी है। नृत्य का संबंध जीवन के हर पहलू से जुड़ा होता है। समाज, देश, संस्कृति, जीवनशैली, रीति-रिवाज और पर्व-त्योहारों से भी नृत्य का कोई ना कोई रूप जुड़ा है। नृत्य से अनेक शारीरिक-मानसिक लाभ मिलते हैं। नृत्य से होने वाले शारीरिक फायदों के बारे में भरतनाट्यम नृत्यांगना सिंधु मिश्रा कहती हैं, 'नृत्य आनंद, मान प्रतिष्ठा के साथ-साथ शारीरिक बल और स्टेमिना बढ़ाता है। नृत्य से पूर्व के जो अभ्यास होते हैं, वे बॉडी को इस तरह टोन करते हैं कि शरीर बहुत मजबूत हो जाता है, खासतौर पर पैर, कंधे और बांहें।' सिंधु मिश्रा का यह कथन इस बात से प्रमाणित होता है कि आपको प्रायः सभी डॉक्टर स्वस्थ ही मिलेंगे। आमतौर पर कभी किसी डॉक्टर को यह



कविता / पुरुषोत्तम व्यास

हंसना भी भूल गए

अब तो हंसना भी भूल गए
बात करना भूल गए।
मुख पर ओढ़े थीर-गंभीर भाव
मालूम नहीं कौन-से
बोझ से दबे और लदे
शुभकामना देना भूल गए।
हंसने से पहले सोचा करते
आदमी को तोला करते
छीन न ले कुछ रूमसे
छोटी-छोटी बातों से डरे-सरुमे
प्रतिष्ठा के मोह में खोए-से
दूसरे को देखना भूल गए।
जीना ही जैसे भूल गए
अब तो हंसना भी भूल गए।

पैरों की लय पर थिरकता स्वस्थ-आनंदमयी जीवन

वैसे तो अन्य कलाओं की तरह नृत्य भी कला का एक रूप है। लेकिन यह एक ऐसी कला है, जो ना केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखती है, मन को भी प्रसन्नता से भर देती है। कई ऐसे नर्तक-नृत्यांगनाएं हैं, जो वृद्धावस्था में भी पूरी ऊर्जा और उमंग के साथ थिरकते हैं, आंतरिक आनंद की लय के साथ जीवन जी रहे हैं। नृत्य के बहुआयामी लाभों के बारे में हमें जरूर जानना चाहिए।



कहते नहीं सुना जाता कि उसे प्रोजेन शोल्डर की दिक्कत है। कमर या घुटने दर्द कर रहे हैं। इस तरह नृत्य करने से स्वास्थ्य संबंधी अनेक फायदे होते हैं। इसीलिए डॉस को एक थैरेपी की तरह भी यूज किया जाता है। इस बारे में युवा कथक नृत्यांगना पंखुड़ी श्रीवास्तव बताती हैं, 'जब मैं कथक केंद्र में कथक

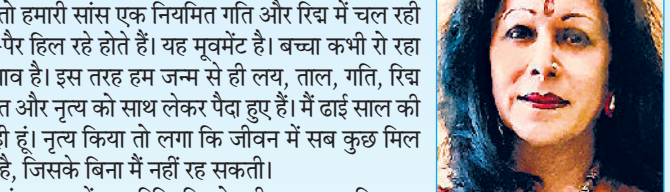
का प्रशिक्षण ले रही थी, तब हमारे गुरु पंडित कृष्ण मोहन महाराज जी ने हमें कहा था कि सुबह चार बजे उठ कर तीन-चार घंटे नृत्य का अभ्यास करके दिन की शुरुआत किया करो। इससे तन-मन हमेशा स्वस्थ रहेंगे। तब से यह नियम मेरे जीवन में अनुशासन के साथ सम्मिलित है।'

नृत्य से मिलती है सबसे ज्यादा खुशी रानी खानम, कथक नृत्यांगना



मुझे सबसे ज्यादा खुशी नृत्य करने से ही मिलती है। नृत्य से ही सबसे पहले मैंने खुद को पाया। मेरा खुद को देखने का नजरिया बदला। नृत्य के माध्यम से मैं हर वो बात कहती हूं, जो कहना चाहती हूं। नृत्य मेरी अभिव्यक्ति का माध्यम है। नृत्य ने सामाजिक दृष्टि से मुझे बहुत सम्मान-प्यार दिया। मैं मुस्लिम परिवार से हूं तो देश की गंगा-जमुनी तहजीब को मैंने अपने जीवन में उतारा। नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति से जुड़ी पौराणिक कथाओं को जाना। भारतीय परंपरा से जुड़े ज्ञान को समझा। नृत्य के बिना शायद मैं जीवित नहीं रह पाऊंगी। खुद नृत्य करने के साथ ही मैं सामान्य और स्पेशल दोनों तरह के बच्चों को नृत्य सिखाती भी हूं। स्पेशल बच्चों को बचपन से ही अपने आस-पास ऐसा माहौल मिलता है कि वे सहज महसूस नहीं करते। अपनी इच्छाओं को खुलकर अभिव्यक्त नहीं कर पाते। ऐसे में नृत्य उन्हें शक्ति-विश्वास देता है। नृत्य डिसेबल बच्चों को खुद को अभिव्यक्त करने का अवसर देता है। जब बच्चे नृत्य कर रहे होते हैं, वो उनका दिनभर का बेस्ट समय होता है। *

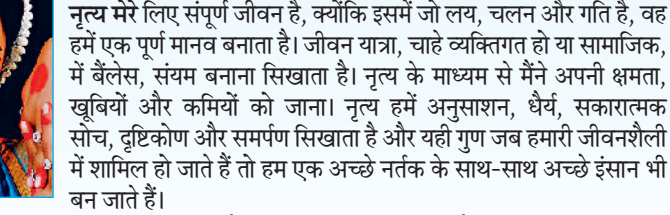
नृत्य मेरी आत्मा है शोवना नारायण, कथक नृत्यांगना



जब हम जन्म लेते हैं तो हमारी सांस एक नियमित गति और रिद्ध में चल रही होती है। बच्चे के हाथ-पैर हिल रहे होते हैं। यह मूवमेंट है। बच्चा कभी रो रहा है, कभी चुप है, यह भाव है। इस तरह हम जन्म से ही लय, ताल, गति, रिय और मूवमेंट यानी संगीत और नृत्य को साथ लेकर पैदा हुए हैं। मैं ढाई साल की थी तब से नृत्य कर रही हूं। नृत्य किया तो लगा कि जीवन में सब कुछ मिल गया। नृत्य मेरी आत्मा है, जिसके बिना मैं नहीं रह सकती।

मैं रोज नृत्य करती हूं। नृत्य हमें हर परिस्थिति को स्वीकार करना सिखाता है। जब आप नृत्य में एकाग्र होकर झूमते हैं, तब जीवन की सभी समस्याओं और चिंताओं से मुक्त होकर शांति महसूस करते हैं। पतंजलि ने अष्टांग योग की बात की- यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि इन सभी को हम क्लासिकल नृत्य के माध्यम से करते हैं। नृत्य हमें फिजिकल, मेंटल और स्पीचुअल बैलेंस और टीमवर्क सिखाता है। जब हम नृत्य से जुड़ते हैं तो अपनी संस्कृतिक और साहित्य से भी जुड़ते हैं। *

नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है कविता द्विवेदी, ओडिसी नृत्यांगना



नृत्य मेरे लिए संपूर्ण जीवन है, क्योंकि इसमें जो लय, चलन और गति है, वह हमें एक पूर्ण मानव बनाता है। जीवन यात्रा, चाहे व्यक्तिगत हो या सामाजिक, में बैलेंस, संयम बनाना सिखाता है। नृत्य के माध्यम से मैंने अपनी क्षमता, खुबियों और कमियों को जाना। नृत्य हमें अनुशासन, धैर्य, सकारात्मक सोच, दृष्टिकोण और समर्पण सिखाता है और यही गुण जब हमारी जीवनशैली में शामिल हो जाते हैं तो हम एक अच्छे नर्तक के साथ-साथ अच्छे इंसान भी बन जाते हैं।

एक सफल नृत्य प्रस्तुति से कई चीजें जुड़ी होती हैं। कई लोगों की मेहनत होती है। इस तरह जब आप नृत्य से जुड़ते हैं तो टीमवर्क और मैनेजमेंट स्किल भी आप सीखते हैं। कलाकार कला के लिए जीता है। कुछ साल पहले मेरे पास एक महिला अपनी बच्ची को लेकर आई। उस बच्ची का ध्यान बहुत भटकता था, वह एक जगह टिकती नहीं थी। एक साल तक मैंने उसे नृत्य सिखाया और रिजल्ट बहुत अच्छा रहा। ऐसे बच्चे जो पूरी तरह से सामान्य नहीं हैं हम नृत्य के माध्यम से उन्हें मुख्यधारा के बच्चों के बीच खड़ा कर सकते हैं। *

कैसे काम करती है डॉस थेरेपी

आध्यात्मिक मनोचिकित्सक और रेकी ग्रैंडमास्टर दिलना राजेश कहती हैं, 'अकसर लोग मंच पर, शादी-ब्याह, पार्टी, समारोह में समूह में तो नाचते हैं। लेकिन मैं लोगों से पूछती हूं कि आप आखिरी बार अकेले में कब नाचे थे? जहां बस आप अकेले ही नाच रहे थे? एक खुली किताब की तरह अपनी भावनाओं में मस्त, मगन होकर उस आनंद को महसूस कर रहे थे, जो आपको एक अलग ही अनुभूति के संसार में ले जा रहा था? इसका जवाब अधिकांश लोग नकारात्मक ही देते हैं। उन्हें लगता है अकेले में कैसे नाच सकते हैं? दरअसल, इस बात को कम लोग ही जानते, महसूस करते हैं कि नृत्य हमें खुद से मिलाने का एक चमत्कारी रास्ता है। आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में हम अकसर अपनी भावनाओं को दबाते चले जाते हैं। घर-ऑफिस का तनाव हमें जकड़े रखता है। ऐसे में नृत्य, जिंदगी में वह खूबसूरत स्थान बनाता है, जहां हम सुरक्षित तरीके से आत्म-उपचार करते हैं। अपनी उस जकड़न से बाहर निकलते हैं। आधुनिक न्यूरोसाइंस कहता है- ट्रॉमा केवल दिमाग में नहीं, शरीर में भी रहता है। जबड़े की जकड़न से लेकर जांघों की स्टिफनेस आपके भीतर छिपे दर्द की गवाह है। लेकिन हम उसे समझ नहीं पाते। ऐसे में नृत्य उस बंद दरवाजे की चाबी की तरह धीरे-धीरे उसे खोलता है। जैसे-जैसे हमारा शरीर नृत्य शुरू करता है, हम एक लय और गति में थिरकने लगते हैं। हमारा शरीर एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है।

इससे नर्वस सिस्टम रिलैक्स होता है। शरीर शांति महसूस करता है। जो लोग भावनात्मक अवसाद और शारीरिक आघात से गुजर रहे हैं, उनके लिए भी नृत्य एक हीलिंग प्रक्रिया है। जब आप नृत्य के माध्यम से आनंद की अनुभूति करते हैं तो मन-मस्तिष्क में सकारात्मक बदलाव और आनंद महसूस करते हैं, यही डॉस थेरेपी है। नृत्य केवल अच्छा महसूस नहीं करवाता बल्कि बायोलॉजिकल रूप से उपचार करता है।' दिलना राजेश आगे बताती हैं, 'मैं कई सालों से ऐसे लोगों से मिलती रही हूं, जो दुख, चिंता, अकेलापन और आत्म-अस्वीकृति से जूझ रहे थे। लेकिन नृत्य के माध्यम से उन्होंने अपनी खोई हुई शक्ति, सहजता, अपनी लय, जीवन की गति और खुद को वापस पाया।'

इस तरह देखें तो नृत्य तन-मन को स्वस्थ रखने वाली, उमंगित करने वाली, ऊर्जा से भरने वाली कला है। आइए हम भी अपने जीवन में नृत्य को सम्मिलित करें। *

नृत्य मेरी सांस है ज्योति डी तोमर, घूमर नृत्यांगना



मैंने पहले कथक सीखा, उसके बाद घूमर नृत्य। नृत्य मेरी सांस है, उसी के माध्यम से मुझे जीवन मिला। मानसिक शांति, संतुष्टि और खुशी मिलती है। नृत्य हमसे केवल समर्पण चाहता है। मुझे इससे इतना गहरा लगाव है कि शादी से पहले मैंने पति से केवल यही शर्त रखी थी कि मैं नृत्य नहीं छोड़ूंगी। जब मैं नृत्य कर रही होती हूं तो सब भूल जाती हूं। ऐसा लगता है कि किसी और ही लोक में पहुंच गई हूं। चिंता, तनाव जैसे भाव बहुत दूर चले जाते हैं। सोच सकारात्मक हो जाती है। यही वजह है कि मेंटल हेल्थ को सुधारने के लिए नृत्य जरूरी है। मैं सबसे कहती हूं कि रोज अकेले में नृत्य करें, जहां केवल आप होंगे, मन के भाव होंगे, खुशी होगी। नृत्य सकारात्मक सोच और शांति प्रदान करता है, जिससे जिंदगी को देखने और डील करने का नजरिया बदल जाता है। नृत्य करने और सीखने की कोई उम्र नहीं होती। आप कभी भी नृत्य से जुड़ सकते हैं। मेरे पास एक 73 वर्ष की महिला आई, संकोच से बोली, 'मैं हमेशा से नृत्य सीखना चाहती थी लेकिन कभी मौका नहीं मिला। क्या अब सीख सकती हूं?' उन्होंने वर्कशॉप की और फिर वे इतना सुंदर नाचें कि सब देखते रह गए। मैं डॉस सीखने वाली से यही कहती हूं कि जब डॉस करो तो स्वच्छंद होकर करो। अगर खुद के साथ जुड़ना है तो नाचना जरूरी है। नृत्य हमारे तनाव को कम करता है और हैप्पी हार्मोन बनाता है। मैं तो सबसे कहती हूं आनंद से जिंदगी जीनी है तो डॉस करें। स्वातः सुखाय नियमित नृत्य करें। *

वक्त का तकाजा

रिटायरमेंट के बाद एक पॉश कॉलोनी में बराड़ साहब ने बहुत ही आलीशान मकान बनवाया था। लोगों से इसकी तारीफ करते नही थकते। लेकिन कुछ दिन बाद ही उन्हें लगा कंक्रीट की यह बिल्डिंग, प्रकृति के सुख से दूर है, परेशानियां ही परेशानियां हैं। प्रकृति से दूर होते इंसान की व्यथा-कथा।

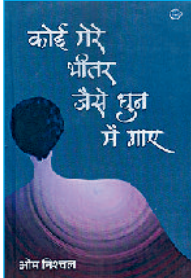
निजात न मिली, ऊपर से पानी ने भी बेहाल करना शुरू कर दिया। बेहद तपती धरा ने अपना जलस्तर बहुत नीचे कर कॉलोनी के सभी बोरवेल को सुखा दिया। कॉलोनी का व्हाट्सएप ग्रुप घरों में पानी का त्राहिमा म दिखा रहा था। इसी समय लोगों को वाटर रिचार्ज की याद आ रही थी। ये वही लोग थे, जो जरा से कीचड़ से अपनी नाक बंद करने लगते थे, इनका मन घिना जाता था। इन्हीं के कारण पूरी कॉलोनी में सीमेंट की सड़क बिछा दी गई थी। तभी जोर-जोर से आवाजें सुन बराड़ जी घर से बाहर आए। देखते क्या हैं, पड़ोसी आपस में झगड़ रहे हैं। रात में उनके घर के ओवर हेड टैंक से पानी चोरी हो गया था। हालात बद से बदतर होते जा रहे थे। टैंकर से कॉलोनी की बड़ी टंकी भर दी गई थी, लेकिन दिन में बस एक बार ही, कम समय के लिए पानी सप्लाई किया जा रहा था। पानी की किल्लत इस अप्रैल महीने में! तब मई-जून में क्या होगा? कॉलोनी वासियों की चिंता का विषय बन गया था। एक दिन भीषण गर्मी में बिजली पूरा दिन गायब रही। इंवर्टर भी

पुस्तक रचा / विज्ञान भूषण

गजलों का गुलदस्ता

प्रख्यात कवि, आलोचक और भाषाविद ओम निश्चल बेहतरीन गजलोंगी भी हैं, इस बात की तस्वीर करती है, हाल में आई पुस्तक 'कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए' में संकलित गजलों। यहां अलग-अलग मिजाज और तासीर की कुल मिलाकर 104 गजलें पढ़ी जा सकती हैं। कहीं वे दार्शनिक अंदाज में जिंदगी का फलसफा समझाते हुए कहते हैं, 'कुछ खोकर कुछ पाकर जाना, जीवन क्या है/ दुख से हाथ मिलाकर जाना, जीवन क्या है।' तो कहीं अतीत की मोहब्बत को याद कर अपने जज्बातों को लफ्जों का लिबास पहनाकर कहते हैं, 'वो पलकों पर खाब सजा के रखती थी/ हम खाबों के पंख उड़ाया करते थे।' सिर्फ कोमल संवेदनाओं को ही नहीं, अपनी गजलों में राजनीति और व्यवस्था तंत्र में मौजूद विद्रु को भी वे बिना किसी लाग-लपेट के कटिधरें चहकते हुए फुटूंकेंगी। अब बराड़ साहब को समझ में आ रहा था, वह महल किस काम का, जहां पानी के लिए इंसान तरस जाए। इतिहास में बड़े-बड़े बादशाहों तक को पानी की कमी के कारण राजधानी स्थानांतरित करनी पड़ी थी। बराड़ साहब ने निर्णय लिया, बगीचे को असल स्वरूप प्रदान कर वर्षा जल का संग्रहण करेंगे और आस-पड़ोस वालों से भी अपने विचार साझा कर उनसे सहयोग की अपील करेंगे। धरा जो सूखी पड़ रही/न रहा कोख में पानी/ मानव तेरी शर्म का उतर गया है पानी। बराड़ साहब बड़ी गंभीरता से सोचते हैं, धरा को इस पीड़ा से छुटकारा दिलाने के लिए मजबूत स्तंभ बन वह काम करेंगे। यही वक्त का तकाजा है। *

पुस्तक: कोई मेरे भीतर जैसे धुन में गाए, रचनाकार: ओम निश्चल, मूल्य: 250 रुपए, प्रकाशक: सर्वभाषा प्रकाशन, नई दिल्ली



पर्यटन स्थल / रजनी अरोड़ा

वैसे तो अपने देश में पर्यटकों के मन में जब हिल स्टेशंस में समर वैकेशन एंजॉय करने की बात आती है तो सबसे पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का खयाल आता है। लेकिन अगर आप इनसे अलग मिजाज के हिल स्टेशन का आनंद लेना चाहते हैं तो इस बार ऊटी का रुख कर सकते हैं। वहां की विशेषताएं और दर्शनीय स्थलों के बारे में जानिए।

गर्मी के मौसम में किसी हिल स्टेशन पर कुछ दिन बिताना, रोमांचकारी और सुकून भरा अनुभव होता है। वहां के खुशनुमा वातावरण में न सिर्फ गर्मी से राहत मिलती है, बल्कि घूमने-फिरने, मौज-मस्ती करने और नई-नई जगहें देखने का मौका भी मिलता है। अगर आप भी आने वाली गर्मी को छुट्टियों में घूमने की योजना बना रहे हैं तो दक्षिण भारत का ऊटी हिल स्टेशन, एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है।

मन मोह लेती है खूबसूरती

तमिलनाडु राज्य की नीलगिरी पहाड़ियों (ब्लू माउंटेंस) पर स्थित है, ऊटी। इसका पुराना और दूसरा नाम 'उदगमंडलम' है और देश-विदेश के

पर्यटकों में यह हिल स्टेशनों की रानी नाम से मशहूर है। ऊटी में पहले टोंगा आदिवासियों का गढ़ था। जब अंग्रेज हिंदुस्तान आए तो उन्होंने ऊटी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया। यहां ब्रिटिश शासनकाल में बनाई गई कई खूबसूरत इमारतें, गेस्टहाउस के रूप में आपका स्वागत करते आज भी मौजूद हैं। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर ऊटी में मौजूद पार्क और झीलें, पर्यटकों का मन मोह लेती हैं।



छतरीनुमा बैठने की जगह मानो पर्यटकों को कुछ पल रुकने के लिए मजबूर कर देती है।

अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावन और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की

बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चौड़े के पेड़, हरे-



अनोखी भौगोलिक संरचना

ऊटी की भौगोलिक संरचना ऐसी है कि गर्मी हो या सर्दी, ऊटी का तापमान 5 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। खूबसूरत वादियों में जहां सुबह का मौसम सुहावन और काफी ठंडा होता है। वहीं दोपहर होते-होते सूरज की किरणें ताप को बढ़ा देती हैं और सूर्यास्त के साथ ऊंचे-ऊंचे पहाड़ों और पेड़ों से बहते ठंडी हवा के झोंके रोमांच से भर देते हैं। ऊटी शहर, समुद्रतल से करीब 7,350 फीट की ऊंचाई पर बसा है। अपने प्राकृतिक सौंदर्य की

बदौलत देश-विदेश के पर्यटकों को आकर्षित करता है। घाटी में चारों ओर फैली हरियाली, प्रकृति के खूबसूरत नजारे, ऊंचे-ऊंचे पहाड़, आसमान को छूते देवदार और चौड़े के पेड़, हरे-

भरे ढलान और सीढ़ीनुमा खेत पर्यटकों का मन मोह लेते हैं। चाय-काफी के बागानों से आने वाली ताजी महक हवा में फैली रहती है। छोटी-छोटी, ऊंची-नीची पहाड़ियों को काटकर बनाए गए घर और वहां तक जाने की सीढ़ीदार, तंग और संकरी गलियां देखने में बहुत आकर्षक लगती हैं। यहां देखने के लिए कुछ स्थल विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं।

ऊटी लेक

शहर से 3 किलोमीटर दूर स्थित ऊटी लेक, दर्शनीय स्थल है। इस लेक का निर्माण 1825 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर जॉन सुलीवन ने करवाया था। बाद में इसी लेक के नाम पर शहर का नाम रखा गया। यहां पर्यटक बोटिंग,



चिल्ड्रेन पार्क

ऊटी लेक के पास बना यह पार्क बच्चे ही नहीं बड़ों के भी आकर्षण का केंद्र है। खासकर बच्चे यहां लगे झूले और टर्बाय ट्रेन में घूमने का आनंद जरूर उठाते हैं।

रोचक चंद्रकाश

हजारों-लाखों साल पहले धरती पर रहने वाले अनेक जंतु अब विलुप्त हो चुके हैं। लेकिन जरा सोचिए, कैसा रोमांचक अनुभव होगा, जब कोई विलुप्त जंतु फिर से हमारे सामने आ जाएगा!

फिर से हुआ जिंदा विलुप्त भेड़िया



करती है। यह विभिन्न जीवों के संरक्षण और जैव विविधता की हानि से निपटने के साथ विलुप्तप्राय जानवरों को बचाने का प्रयास कर रही है। साथ ही विलुप्त जानवरों की प्रजाति को दोबारा से वापस लाने का प्रयास भी कर रही है। **पुनर्जीवित हुआ विलुप्त भेड़िया:** विलुप्त जीवों के संरक्षण के प्रयास की प्रक्रिया में कोलोसल बायोसाइंसेज ने हाल ही में ऐसे वुल्फ (भेड़िया) के तीन छौनों (भेड़िया के बच्चे) को लैब में तैयार किया है, जिनमें आनुवांशिक रूप से डायर वुल्फ के गुण मौजूद हैं। आपको जानकर आश्चर्य होगा कि डायर वुल्फ की प्रजाति आज से लगभग 12 हजार साल पहले विलुप्त हो चुकी थी। जेनेटिकली तैयार किए गए इन छौनों में से दो नर और एक मादा भेड़िया हैं। नर छौनों के नाम 'रोमुलस' और 'रीमस' रखे गए हैं, जबकि मादा छौने का नाम 'खलीसी' रखा गया है। **लेखक की कल्पना हुई साकार:** डायर वुल्फ से जुड़ी एक रोचक बात

यनासोर का नाम सुनते ही एक भयानक और विशाल जंतु का चित्र मन में उभरता है। इसके बारे में आपने पढ़ा, सुना या टीवी/इंटरनेट पर जरूर देखा होगा। लेकिन अब इस धरती पर डायनासोर मौजूद नहीं हैं। डायनासोर ही नहीं, आज से हजारों-लाखों साल पहले इस धरती पर रहने वाले सैकड़ों जानवर अब विलुप्त हो चुके हैं।

अनेक प्रजातियां हो चुकी हैं विलुप्त: डायनासोर के अलावा धरती से विलुप्त हो चुके जानवरों में हाथी की तरह दिखने वाला मैमथ, पीट पर बाघ जैसी धारियां वाला तस्मानियाई थायलेसिन, उत्तरी अफ्रीका का सफेद गैंडा, किसी बड़ी मुर्गी जैसा दिखने वाला डोडो पक्षी और अमेरिकी डायर भेड़िया भी शामिल हैं। वर्ल्ड एनिमल फाउंडेशन नामक एक संस्था का मानना है कि यदि विलुप्ति की कगार पर पहुंच चुकी जंतु प्रजातियों के संरक्षण पर ध्यान न दिया गया तो 2050 तक दुनिया की लगभग आधी जैव-प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। लेकिन इस चिंताजनक आशंका के बीच संतोषजनक खबर यह है कि जेनेटिक इंजीनियरिंग से जुड़ी एक अमेरिकी कंपनी कुछ विलुप्त हो चुके जंतुओं को पुनर्जीवित करने में जुटी है।

अमेरिकी कंपनी है प्रयासरत: अमेरिका के टेक्सास में स्थित डलास शहर में 2021 में स्थापित कोलोसल बायोसाइंसेज नामक एक कंपनी ने चॉकनाे वाला दावा किया है। कंपनी का दावा है कि वह 2028 तक कई विलुप्त जानवरों को दोबारा से हमारे बीच जीता-जागता ले आएगी। यह कंपनी जेनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में काम

डायर वुल्फ के बच्चे के साथ लेखक जॉर्ज मार्टिन यह है कि वर्ष 2011 में बनी एक टीवी सीरीज 'गेम ऑफ थ्रॉस' में इनको जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। यह टीवी सीरीज अमेरिकी उपन्यासकार जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के कई खंडों में लिखे उपन्यास 'ए सॉन ऑफ आइस एंड फायर' के आधार पर बनाई गई है। यहां इंटरैक्टिंग बात यह भी है कि कोलोसल बायोसाइंसेज द्वारा तैयार किए गए विलुप्त डायर वुल्फ के बच्चों से मिलने के लिए मार्टिन स्वयं वहां पहुंचे। जरा सोचिए, हजारों साल पहले विलुप्त हो चुके जिस डायर वुल्फ के बारे में इमजिन करके आर. आर. मार्टिन ने अपनी किताब में वर्णन किया, उसे सामने जीवंत देखकर उन्हें कितना रोमांचक अनुभव हुआ होगा! अपनी कलम से रचे इन जंतुओं को अपने सामने सचमुच देखना एक भावुक कर देने वाले क्षण था। *



उपयोगी पेड़ वीना गौतम

चीकू, सैपेटीसी परिवार का पेड़ है। इसे कहीं-कहीं सपोटा या सपोडिला भी कहते हैं। इसका वानस्पतिक नाम मनिल्करा जपोटा है। मूलतः सेंट्रल अमेरिका, खासकर मैक्सिको का यह फल 16वीं, 17वीं शताब्दी में स्पेनिया या पुर्तगालियों के जरिए भारत आया था। शुरुआत में यह महज एक सजावटी पौधे के रूप में ही उगाया जाता था। लेकिन धीरे-धीरे महाराष्ट्र और गुजरात में इसकी लोकप्रियता तेजी से बढ़ी और आज यह इन दोनों राज्यों के प्रमुख व्यावसायिक फलों में से एक है। महाराष्ट्र और गुजरात में, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के तटीय क्षेत्रों में, तमिलनाडु में चेन्नई के आस-पास के कावेरी डेल्टा वाले क्षेत्रों में और ओडिशा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ जिलों में भी इसकी खेती होती है। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और बिहार के कुछ क्षेत्रों में भी चीकू की खेती के लिए आदर्श दशाएं हैं। जहां तक चीकू के किस्मों की बात है तो भारत में इसकी सबसे मशहूर किस्में कालीपट्टी (गुजरात), क्रिकेट बॉल, पाला, डीएचएस-1, पीकेएम-1 हैं। कालीपट्टी सबसे मीठा और लोगों द्वारा

हाल ही में इरफान खान के बेटे बाबिल खान की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' रिलीज हुई है। फिल्म में बाबिल एक सोशल मीडिया इंपलुएंसर बने हैं। इस फिल्म के साथ-साथ अपने प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बारे में भी बाबिल ने खुलकर बात की। पेश है इस लंबी बातचीत के प्रमुख अंश।

खास मुलाकात पूजा सामंत

अपनी तरह के अनोखे एक्टर इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपने पिता और मां (सुतापा सिकंदर) के नक्शे कदम पर चलते हुए अभिनय की दुनिया में प्रवेश किया है। 'कला' और 'फ्रायडे नाइट प्लान' फिल्मों और 'द रेलवेमैन' वेब शो में नजर आ चुके बाबिल, बीते 18 अप्रैल को जी-5 पर रिलीज साइबर सर्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' में भी नजर आ रहे हैं। हाल में बाबिल ने एक मुलाकात में इस फिल्म के साथ-साथ अपने एक्टिंग करियर और पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सी बातें शेयर कीं। **सबसे पहले तो यह बताइए कि किस तरह की फिल्म है 'लॉगआउट' ?** 'लॉगआउट' साइबर क्राइम पर बेस्ड फिल्म है, जो इस समय विकराल रूप ले चुकी है। आज से 15 वर्ष पहले तक शायद ही किसी ने साइबर क्राइम का नाम सुना होगा। लेकिन कंप्यूटर साइंस जितनी तेजी से आगे बढ़ा है, उतनी ही तेजी से कंप्यूटर रिलेटेड फ्रॉड बढ़ते गए। जितना ज्यादा हम लोग मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट का यूज करेंगे, उतनी अधिक सावधानियां बरतनी होंगी। साइबर वर्ल्ड/वर्चुअल वर्ल्ड और साइबर क्राइम के अनेक पहलुओं को ही सर्पेंस थ्रिलर फिल्म 'लॉगआउट' दिखाती है। **आपने इस फिल्म को क्यों एक्सेट आउट किया ?**



तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मैं ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।

फर्क नहीं पड़ता आप किसके बेटे हैं सिर्फ परफॉर्मेंस से बात बनती है बाबिल खान



फिल्म 'लॉगआउट' के एक दृश्य में रसिका दुग्गल के साथ बाबिल खान

बायकॉम 18 और निर्देशक अमित गोलांनी ने तीन-चार साल पहले मुझे दो पन्नों की स्क्रिप्ट भेजी थी। मैंने इस फिल्म के निर्देशक से पूरी स्क्रिप्ट मांगी, तब उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। मैंने उनसे कहा, 'अगर स्क्रिप्ट

मेरे सबसे करीबी दोस्त थे बाबा

एक बेटे के तौर पर बाबिल की अपने पापा से किस तरह की बॉन्डिंग थी? इसके जवाब में वे भावुक होते हुए कहते हैं, 'मैं अपने पिता जी को बाबा कहता था। जीवन में एक इंसान की कैसा होना चाहिए और कैसा नहीं होना चाहिए, यह सीख मुझे उनसे ही मिली। मेरे बाबा मेरे सबसे करीबी दोस्त थे। ऐसी कोई बात नहीं थी, जो मैंने उनसे छुपाई हो। बहुत महारा रिश्ता था हमारा। उन्होंने कभी भी अपनी राय मुझ पर थोपी नहीं। मुझे अपना करियर चुनने की पूरी आजादी दी। मुझे याद है, हम एक मर्तबा रेस्टोरेट में खाना खाते गए। मुझे खाने की टेबल पर डांस करने का मूड बना, हालांकि तब तक खाना सर्व नहीं किया गया था। मैंने आव देखा न ताव, टेबल पर खड़े होकर डांस करने लगा। मैं ने मुझे ऐसा करने से मना किया, लेकिन बाबा ने कहा, 'अगर यह टेबल पर डांस करना चाहता है तो इसे करने दो। लोग क्या बोलेंगे इस पर ध्यान मत देना।' मुझे वो घटना अकसर याद आती है और आंखें भर आती हैं।

विविधा2

सरकारी संग्रहालय

ऊटी की मैसूर रोड पर 1989 में बनाया गया सरकारी संग्रहालय भी देखने लायक है। संग्रहालय में दुनिया भर में मशहूर तमिलनाडु की मूर्तिकला, चित्रकला, सेंडल वुड से बनी अनेक वस्तुओं, मैसूर सिल्क और साउथ कॉटन के वस्त्रों को दर्शाया गया है। यहां आदिवासियों के द्वारा उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुओं और कपड़ों को भी प्रदर्शित किया गया है। संग्रहालय में ऊटी का पारिस्थितिकीय विवरण यानी इकोलॉजिकल डिटेल भी दी जाती है, जो पर्यटकों को ऊटी की आबोहवा के बारे में जानकारी देती है।



घुड़सवारी ही नहीं, अनुमति लेकर मछली पकड़ने का लुफ भी उठा सकते हैं। लेक परिसर के बाहर पर्यटकों को राइडिंग का मजा दिलाने के लिए किराए पर घोड़े उपलब्ध रहते हैं।

चेरिंग क्रॉस

चेरिंग क्रॉस, ऊटी का दिल कहलाता है। यह एक चौराहा है, जिसके चारों ओर शॉप्स हैं। चौराहे के बीचों-बीच चौतरफा मुंह करके खड़े एंजिल स्टेच्यू, बुरबस ही ध्यान खींच लेता है। यह एक फाउंटेन है, जिसके आस-पास लगी रंग-बिरंगी लाइटें रात के समय इसकी खूबसूरती और बढ़ा देती है। चेरिंग क्रॉस में कई दुकानों पर ऊटी में बनी स्पेशल चायपत्ती, होममेड चॉकलेट और मसालों की पचासों वैराइटीज मिल जाती हैं।

रोज गार्डन

ऊटी का दिल कहे जाने वाले चेरिंग क्रॉस के पास 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला रोज गार्डन, पर्यटकों को खूब लुभाता है। गार्डन में 1000 से अधिक किस्म के गुलाब के पौधे हैं। साथ ही इसमें लगे कई तरह के ऑर्टिफिशियल पौधे, इस रोज पार्क की सुंदरता को और भी बढ़ा देते हैं। *



क र ना चाहिए। गड्डे में 10 किलो गोबर की खाद, 50 ग्राम नीम की फली और थोड़ी ट्राइकोडर्मा आदि चीकू के पेड़ की जड़ों को सड़ने से बचाने के लिए डालना चाहिए। दो पौधों के बीच की दूरी कम से कम कतार में 8 फीट होनी चाहिए। लगभग एक एकड़ में 60 से 70 पौधे ही आराम से लगते हैं। शुरुआत के समय यानी पहले एक से दो साल में, जब तक पेड़ परिपक्व नहीं होते, 10 से 12 दिन के भीतर पौधे को पानी देना जरूरी है। एक साल के बाद इस अंतराल को बढ़ाया जा सकता है। जब पेड़ में फूल और फल लगने का समय हो, तब इसे नियमित पानी देना जरूरी है। ड्रिप इरिगेशन इसके लिए अत्यंत फायदेमंद है। *

इसकी अच्छी देखभाल और प्रबंधन जरूरी है। **उपयुक्त दशाएं:** चीकू की खेती के लिए क्षेत्र का तापमान 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिकतम 40 डिग्री सेंटीग्रेड तक रहना चाहिए। चीकू हल्की सर्दी तो सह लेता है, लेकिन जरा सी सर्दी अधिक हुई तो इसे पाला मार जाता है। चीकू दोमट मिट्टी है। साथ ही ड्रेनेज सिस्टम का होना जरूरी है। इसे लगाई जाने वाली मिट्टी का पीएच मान 6.5 से 8 के बीच सबसे आदर्श होता है। **ऐसे करें चीकू की खेती:** चीकू के पेड़ को जून से जुलाई यानी मानसून की शुरुआत में ही रोपना सही होता है। इसकी नर्सरी रोपने के लिए 1-1 मीटर का गड्ढा



पसंद की जाने वाली चीकू की किस्म है। **व्यावसायिक महत्व:** एक बार चीकू का पेड़ लग जाने पर यह बड़े आराम से 40 से 60 सालों तक फल देता रहता है। यह लगाने के तीसरे-चौथे साल से फल देना शुरू कर देता है और छठे-सातवें साल तक पहुंचते-पहुंचते अपनी पूरी क्षमता से फल देने लगता है। एक परिपक्व चीकू का पेड़ प्रतिवर्ष 150 से 300 किलोग्राम तक फल देता है। बाजार में इस समय जिस तरह से चीकू की कीमत औसतन 40 से 50 रुपए प्रति किलो है, उसके चलते बड़े आराम से एक हेक्टेयर में लगे चीकू के पेड़ों से हर साल किसान लाखों रुपए की आमदनी कर सकते हैं। हालांकि इस स्तर का आर्थिक लाभ पाने के लिए

पसंद आती है, तो मैं इस फिल्म को जरूर करना चाहूंगा।' मैंने गौर किया 'लॉगआउट' की कहानी तो आज के दौर में बहुत ज्यादा रेलीवेंट है। जब मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट के नशे में जरूरत से ज्यादा हम बह जाते हैं तो हमें इसके दुष्परिणामों का भी सामना करना पड़ता है, यही कहानी का सार है। मुझे लगता है कि इसे हर वर्ग के दर्शकों तक पहुंचाना आवश्यक है।

इस फिल्म में आपने जो किरदार निभाया है, उसके बारे में कुछ बताएं। फिल्म में मेरे किरदार का नाम है प्रत्युष, जो सोशल मीडिया का स्टार है। वो इफ्लुएंसर है, यही उसका पेशा है। दिन-रात सोशल मीडिया पर काम करते हुए कैसे उसकी व्यक्तिगत जिंदगी प्रभावित होती है, कैसे उसे सोशल मीडिया पर एक्टिव रहना और लॉगआउट न करना महंगा पड़ता है, यही इस फिल्म में बहुत मनोरंजक ढंग से दर्शाया गया है। मुझे पूरा यकीन है कि फिल्म 'लॉगआउट' में आने वाले दिवस्ट एंड टर्न्स दर्शकों को हैरत में डाल देंगे। **पर्सनल लाइफ में आप खुद कितने मोबाइल एडिक्ट हैं ?** मैं मोबाइल एडिक्ट नहीं हूं। हां, जब टीन एजर था, तो एक बार मैंने पापा से नया मोबाइल लेने के लिए खूब जिद किया था। उन दिनों एक खास ब्रांड के फोन का क्रेज था। लेकिन मैंने जो फोन मांगा वो पापा ने नहीं



दि ला या। उन्होंने मुझे ऐसा मोबाइल लाकर दिया, जिसमें प्ले स्टेशन नहीं था, मैं बड़ा मायूस हुआ। पापा और मम्मी यह जान चुके थे कि उस ब्रांड का फोन देने पर मैं प्ले स्टेशन खलने का एडिक्ट हो जाऊंगा और ऐसा वे नहीं चाहते थे। लेकिन उन्होंने जो किया, उससे मैं मोबाइल-एडिक्ट होने से बचा। इसलिए अगर आज मैं मोबाइल या फिर सोशल मीडिया का एडिक्ट नहीं हूं, इस बात का श्रेय मेरे पैरेंट्स को ही जाता है। **कई स्टार किड्स की तरह आपको भी अपने पिता की वजह से एक्टिंग में चांस मिला, इसे नेपोटिज्म कहा जाता है। इस बारे में आप क्या कहेंगे ?** मुझे एक्टिंग का चांस अपने बाबा और मां दोनों की बदौलत मिला है। बाबा तो उम्दा एक्टर थे ही, मां भी एक्टर और राइटर हैं। मुझे इन दोनों से अभिनय विरासत में मिली है। जहां तक नेपोटिज्म की बात है तो यह दौर अब बदल चुका है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप किसके बेटे हैं, केवल परफॉर्मेंस से ही बात बनती है। **अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में बताइए।** एक इंडो अमेरिकन प्रोजेक्ट कर रहा हूं, जिसका नाम है-यक्षि। इसके अलावा निर्देशक शुजीत सरकार की अगली फिल्म की शूटिंग के लिए मैं दार्जिलिंग जा रहा हूं। कुछ काम ओटीटी के लिए भी करने जा रहा हूं, जो अभी फाइनल होने वाला है। *